



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 242]

नई दिल्ली, बुधवार, मई 19, 1999/वैशाख 29, 1921

No. 242]

NEW DELHI, WEDNESDAY, MAY 19, 1999/VAISAKHA 29, 1921

भारतीय रिजर्व बैंक

(विदेशी मुद्रा नियंत्रण विभाग)

(केन्द्रीय कार्यालय)

अधिसूचना सं. फेरा 195/99 आरबी

मुम्बई, 30 मार्च, 1999

अनिवासी भारतीयों/विदेशी कंपनी निकायों को प्रत्यावर्तन/अप्रत्यावर्तन आधार पर पारस्परिक निधि युनिटों को जारी करने हेतु अनुमति

सा.का.नि. 354(अ).—विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम, 1973 (1973 का 46) की धारा 9 की उप-धारा (1) के उपबंध (ए) के साथ पठित धारा 19 की उप-धारा (1) के उपबंध (ए) तथा उपबंध (डी) के अनुसरण में रिजर्व बैंक पारस्परिक निधियों को आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 10 के उपबंध (23 डी) में उल्लिखित के अनुसार, सहर्ष अनुमति प्रदान करता है।

- क) भारतीय राष्ट्रीय अथवा मूल (एनआरआई) के अनिवासीयों अथवा विदेशी कंपनी निकाय युनिटों (ओसीबीएस) अथवा भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) द्वारा अनुमोदित योजनाओं के उसी प्रकार के अन्य लिखतों को पैरा 2 के शर्तों के अधीन जारी करना,
- ख) ऐसे युनिटों/लिखतों को भारत के बाहर उनके निवास स्थान अथवा स्थान, जैसा कोई मामला हो, भेजना और
- ग) युनिटों अथवा अन्य लिखतों के पुनः खरीद पर पैरा 3 में उल्लिखित शर्तों के अधीन अनिवासी निवेशक को भुगतान करना।

2. युनिट जारी करने के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन सामान्य अनुमति दी गई है,

- क) भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) द्वारा निर्धारित शर्तों का मुच्युअल निधि को अनुपालन करना होगा।

- ख) प्रत्यावर्तन आधार पर किये गये निवेश के संबंध में निवेश की गयी राशि सामान्य बैंकिंग चैनलों के जरिए आवक प्रेषण द्वारा अथवा भारत में प्रधिकृत व्यापारी के साथ रखे गये अनिवासी निवेशक के अनिवासी विदेशी (एनआरई)/विदेशी मुद्रा अनिवासी (एफसीएनआर) खाते में नामे डालकर प्राप्त किया गया है.
- ग) अप्रत्यावर्तन आधार पर किये गये निवेश के संबंध में निवेश की गई राशि सामान्य बैंकिंग चैनल के जरिए आवक प्रेषण के द्वारा अथवा भारत में प्रधिकृत व्यापारी के साथ रखे गये अनिवासी निवेशक के अनिवासी विदेशी (एनआरई)/विदेशी मुद्रा अनिवासी (एफसीएनआर)/अनिवासी सामान्य (एनआरओ)/अनिवासी विशेष रुपया (एनआरएसआर) खाते में नामे डालकर प्राप्त किया गया है .
3. यूनिटों के पुनः खरीद के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन सामान्य अनुमति दी गई है
- क) जहाँ निवेश प्रत्यावर्तन आधार पर किया गया है लाभांश/ब्याज तथा परिपक्वता आगमों से प्राप्त राशि का प्रेषण सामान्य बैंकिंग चैनल के जरिए किया गया है अथवा अनिवासी निवेशक के अनिवासी विदेशी (एनआरई)/विदेशी मुद्रा अनिवासी (एफसीएनआइ)/अनिवासी सामान्य (एनआरओ)/अनिवासी विशेष रुपया (एनआरएसआर) खातों में जमा करते हुए किया गया है..
- ख) जहाँ निवेश विदेश से प्रेषण द्वारा सामान्य बैंकिंग चैनलों के जरिए अथवा अप्रत्यावर्तन आधार पर अनिवासी निवेशक के एनआरई/एफसीएनआर/एनआरओ खाते की ओर नामे डालकर किया गया है वहाँ ब्याज/लाभांश और परिपक्वता आगम अनिवासी निवेशक के एनआरओ/एनआरएसआर खाते में जमा करते हुए किया गया है ..
- ग) जहाँ निवेश अनिवासी निवेशक के एनआरएसआर खाते की ओर नामे डालकर किया गया है वहाँ लाभांश/ब्याज और परिपक्वता आगम अनिवासी निवेशक के एनआरएसआर खाता में करके जमा किया जाना चाहिए

स्पष्टीकरण

- I. कोई भी व्यक्ति (पाकिस्तान अथवा बांग्लादेश अथवा श्रीलंका के नागरिक को छोड़कर) भारतीय मूल का समझा जायेगा, यदि
 - i) वह किसी भी समय भारतीय पासपोर्ट धारक रहा है, अथवा
 - ii) वह अथवा उसके माता-पिता में से कोई एक अथवा उसके दादा-दादी में से कोई एक भी भारतीय संविधान अथवा नागरिकता अधिनियम 1955 (1955 का 57) के तहत भारतीय नागरिक था,
 - iii) वह व्यक्ति जो भारतीय नागरिक अथवा भारतीय मूल के व्यक्ति का पति पत्नी है (पाकिस्तान अथवा बांग्लादेश अथवा श्रीलंका के नागरिक को छोड़कर)
- II. "विदेशी कंपनी निकाय" का अर्थ है कि प्रत्यक्ष रूप से या अप्रत्यक्ष रूप से भारतीय राष्ट्रीयता अथवा मूल के अनिवासियों द्वारा कम से कम 60 प्रतिशत सीमा तक अधिस्वामीत्ववाली कोई भी विदेशी कंपनी, साझेदार फर्म, सोसाईटी और अन्य कंपनी निकाय और इसमें कोई विदेशी न्यास भी शामिल है जिसमें प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष किंतु अटल रूप में कम से कम 60 प्रतिशत हिताधिकारी अनिवासी भारतीय हों .

RESERVE BANK OF INDIA
(EXCHANGE CONTROL DEPARTMENT)
(CENTRAL OFFICE)

Notification No. F.E.R.A. 195/99-RB

Mumbai, the 30th March, 1999

Permission for issue of units of Mutual Fund to NRIs/OCBs with repatriation/non-repatriation basis

G.S.R. 354(E).—In pursuance of clause (a) and clause (d) of sub-section (1) of Section 19 read with clause (a) of sub-section (1) of Section 9 of the Foreign Exchange Regulation Act, 1973 (46 of 1973), the Reserve Bank is pleased to permit, Mutual Funds as referred to in Clause (23D) of Section 10 of Income-tax Act 1961

- (a) to issue, to non-residents of Indian nationality or origin (NRIs) or Overseas Corporate Bodies (OCBs) Units or similar other instruments of Schemes approved by Securities and Exchange Board of India subject to conditions in paragraph 2;
- (b) to send such units/instruments out of India to their place of residence or location as the case may be and
- (c) to make payment to non-resident investor, on repurchase of units or other instruments subject to conditions in paragraph 3.

2. The general permission granted herein to issue units is subject to the following conditions;

- (a) the Mutual Fund complies with terms and conditions stipulated by Securities and Exchange Board of India;
- (b) In respect of investment made on repatriation basis, the amount representing the investment is received by inward remittance through normal banking channels or by debit to NRE/FCNR account of the non resident investor maintained with an authorised dealer in India;
- (c) in respect of investment made on non-repatriation basis, the amount representing the investment is received by inward remittance through normal banking channel or by debit to the NRE/FCNR/NRO/NRSR account of the non-resident investor maintained with an authorised dealer in India.

3. The general permission granted herein to repurchase units is subject to the following conditions

- (a) where the investment is made on repatriation basis, the amount representing the dividend/interest and maturity proceeds may be remitted through normal banking channel or credited to NRE/FCNR/NRO/NRSR account of the non-resident investor;
- (b) where the investment is made by remittance from abroad through normal banking channels or by debit to NRE/FCNR/NRO account of the non-resident

investor on non-repatriation basis the interest/dividend and maturity proceeds may be credited to the NRO/NRSR account of the non-resident investor; and,

- (c) where the investment is made by debit to NRSR account of the non-resident investor the dividend/interest and maturity proceeds shall be credited to NRSR account of the non-resident investor.

Explanation: A person (not being a citizen of Pakistan or Bangladesh or Sri Lanka) shall be deemed to be of 'Indian Origin', if

- i) he, at any time, held Indian passport;

or

- ii) he or either of his parents or any of his grandparents was a citizen of India by virtue of the Constitution of India or the Citizenship Act, 1955 (57 of 1955);

or

- iii) that person is the spouse of an Indian citizen or of a person of Indian origin (not being a citizen of Pakistan or Bangladesh or Sri Lanka).

II. " Overseas Corporate Body" means any overseas company, partnership firm, society and other corporate body predominantly owned directly or indirectly to the extent of atleast sixty percent by NRIs and includes overseas trust in which not less than sixty percent beneficial interest is held by NRIs, directly/indirectly but irrevocably.

[No. 10/74/98-NRI]

KHIZER AHMED, Executive Director

अधिसूचना सं. फेरा 196/99 आरबी
मुम्बई, 30 मार्च, 1999

सा.का.नि. 355(अ).—विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम 1973 (1973 का 46) की धारा 9 की उप-धारा (1) के अनुसरण में भारती रिजर्व बैंक एतद्वारा निम्नलिखित के लिए अनुमति प्रदान करता है.

- 1) भारत में किसी स्वामित्ववाले प्रतिष्ठान अथवा किसी फर्म द्वारा अप्रत्यावर्तन आधार पर भारतीय राष्ट्रीयता अथवा मूल (एनआरआई) के अनिवासीयों से रुपया जमा राशियाँ स्वीकार करने हेतु.
- 2) भारत में नियमित किसी कंपनी (रिजर्व बैंक के पास पंजीकृत गैर वित्तीय कंपनी को समाहित) द्वारा प्रत्यावर्तन अथवा अप्रत्यावर्तन आधार पर भारतीय राष्ट्रीयता अथवा मूल के अनिवासीयों अथवा विदेशी कंपनी निकायों से रुपया जमा राशियाँ स्वीकार करने हेतु.

बसते कि :-**अ) प्रत्यावर्तन आधार पर स्वीकृत जमा राशियों के संबंध में**

- क) कंपनी ने ऐसी जमा राशियों सार्वजनिक जमा योजना के अंतर्गत प्राप्त किये गये है
- ख) जमा राशियों की राशि सामान्य बैंकिंग चैनलों के जरिए आवक प्रेषण अथवा भारत में प्राधिकृत व्यापारी के पास जमाकर्ता के एनआरआई/एफसीएनआर खाते में नामे डालकर प्राप्त की है .
- ग) जमा राशियों पर देय ब्याज दर कंपनी (जमा राशियों की स्वीकृति) नियमावली, 1975 के अंतर्गत समय समय पर निर्धारित उच्चतम सीमा से अधिक नहीं है.
- घ) जमा राशियों की परिपक्वता अवधि तीन वर्षों से अधिक नहीं है.
- ङ) यदि जमा राशियों स्वीकार करनेवाली कंपनी गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनी है तो रिजर्व बैंक द्वारा ऐसे कंपनियों के लिए जारी किये गये दिशा निदेशों द्वारा निर्धारित के अनुसार ऋण पात्रता-मुल्यांकन होनी चाहिए.
- च) समग्र जमा राशियों की राशि कंपनी के शुद्ध स्वाधिकृत निधियों के 35 प्रतिशत से अधिक नहीं है
- आ) स्वामित्ववाली संस्था अथवा फर्म अथवा कंपनी द्वारा अप्रत्यावर्तन आधार पर स्वीकृत जमा राशियों के संबंध में -

- क) जमा राशियों की परिपक्वता अवधि तीन वर्षों से अधिक नहीं है .
- ख) जमा राशियों पर देय ब्याज दर कंपनी (जमा राशियों की स्वीकृति) नियमावली, 1975 के अंतर्गत समय समय पर निर्धारित उच्चतम सीमा से अधिक नहीं है.
- ग) यदि जमा राशियों राशि सामान्य बैंकिंग चैनलों के जरिए अथवा जमाकर्ता के भारत में प्राधिकृत व्यापारी के पास रखे गये एनआरआई/एफसीएनआर/एनआरओ खातों में नामे डालकर प्राप्त किया है, तो ब्याज का भुगतान और जमा राशि की चुकौती भारत में जमाकर्ता के प्राधिकृत व्यापारी के पास रखे गये एनआरओ अथवा एनआरएसआर खाते में जमा करते हुए किया जाये. यदि जमा की राशि जमाकर्ता के एनआरएसआर खाते में नामे डालकर प्राप्त किया है तो ब्याज का भुगतान और ऋण की चुकौती जमाकर्ता के एनआरएसआर खाते में जमा करते हुए किया जाये.

3) **प्रत्यावर्तन और अप्रत्यावर्तन आधार पर स्वीकृत जमाराशियों के संबंध में निम्नलिखित अतिरिक्त शर्तों का अनुपालन किया गया है, अर्थात्**

- क) जमाराशि की प्राप्ति भारत सरकार अथवा रिजर्व बैंक अथवा सेबी अथवा किसी अन्य सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी नियमों तथा विनियमों को अंतर्गत भारत के प्रयोज्य कानून के अनुसार है.
- ख) जमाराशियों स्वीकार करनेवाले स्वामित्व प्रतिष्ठान अथवा फर्म अथवा कंपनी ने निधियों का उपयोग कृषि/बागान गतिविधियों चलाने अथवा स्थावर संपदा कारोबार करने अथवा उधार देने अथवा कृषि/बागान गतिविधियों, स्थावर संपदा कारोबार अथवा उधार देने में लिप्त अथवा लिप्त होने के लिए प्रस्तावित किसी अन्य प्रतिष्ठान, फर्म अथवा कंपनी में निवेश के लिए जमा के रूप में नहीं किया है.

स्पष्टीकरण

I. कोई भी व्यक्ति (पाकिस्तान अथवा बांग्लादेश अथवा श्रीलंका के नागरिक को छोड़कर) “भारतीय मूल” का समझा जायेगा, यदि

- i) वह किसी भी समय भारतीय पासपोर्ट धारक रहा है, अथवा
- ii) वह अथवा उसके माता-पिता में से कोई एक अथवा उसके दादा-दादी में से कोई एक भी भारतीय संविधान अथवा नागरिकता अधिनियम 1955 (1955 का 57) के तहत भारतीय नागरिक था ,
- iii) वह व्यक्ति जो भारतीय नागरिक अथवा भारतीय मूल के व्यक्ति का पति-पत्नी है (पाकिस्तान अथवा बांग्लादेश अथवा श्रीलंका के नागरिक को छोड़कर)

II. “विदेशी कंपनी निकाय” का अर्थ है कि प्रत्यक्ष रूप से या अप्रत्यक्ष रूप से भारतीय राष्ट्रीयता अथवा मूल के अनिवासीयों द्वारा कम से कम 60 प्रतिशत सीमा तक अधिस्वामीत्ववाली कोई भी विदेशी कंपनी , साझेदार फर्म , सोसायटी और अन्य कंपनी निकाय और इसमें कोई विदेशी न्यास भी शामिल हैं जिसमें प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष किंतु अटल रूप में कम से कम 60 प्रतिशत हिताधिकारी अनिवासी भारतीय हैं”

[मं. 10/74/98-एन आर आई]
खिज़र अहमद, कार्यपालक निदेशक

Notification No. F.E.R.A. 196/99-RB

Mumbai, the 30th March, 1999

G.S.R. 355(E).—In pursuance of sub-section (1) of Section 9 of the Foreign Exchange Regulation Act, 1973 (46 of 1973), Reserve Bank hereby permits -

- (1) a proprietorship concern or a firm in India to accept rupee deposits on non-repatriation basis from Non-Residents of Indian nationality or origin (NRIs), and
- (2) a company incorporated in India (including a non-banking finance company registered with Reserve Bank) to accept rupee deposits on repatriation or non-repatriation basis from Non-residents of Indian nationality or origin (NRIs) or Overseas Corporate Bodies (OCBs).

Provided that -

- (A) In respect of deposits accepted on repatriation basis -
 - (a) company receives such deposits under a public deposit scheme;
 - (b) the amount representing the deposits is received by inward remittance through normal banking channels or by debit to the depositor's NRE/FCNR accounts with an Authorised Dealer in India;
 - (c) the rate of interest payable on deposits shall not exceed the ceiling rate prescribed from time to time under the Companies (Acceptance of Deposits) Rules, 1975;
 - (d) the maturity period of deposits does not exceed three years;
 - (e) if the deposit accepting company is a non-banking financial company, it has a credit rating as prescribed by the guidelines issued by Reserve Bank for such companies;
 - (f) the amount of aggregate deposits does not exceed 35% of net owned funds of the company.
- (B) In respect of deposits accepted on non-repatriation basis by proprietorship concern or a firm or a company -
 - (a) the maturity period of deposits does not exceed three years;
 - (b) the rate of interest payable on deposits does not exceed the ceiling rate prescribed from time to time for payment of interest by a company under the Companies (Acceptance of Deposits) Rules, 1975;

- (c) if the amount of deposits is received by inward remittance through normal banking channels or by debit to the non-resident depositor's NRE/FCNR/NRO account with an authorised dealer in India, the payment of interest and repayment of deposit may be made by credit to the non-resident depositor's NRO or NRSR account maintained with an authorised dealer in India. If the amount of deposit is received by debit to the non-resident depositor's NRSR account, payment of interest and repayment of deposit shall be made by credit to NRSR account of the depositor.
- (C) In respect of deposits accepted on repatriation and non-repatriation basis, the following additional conditions are fulfilled, namely -
- (a) receipt of deposit is in accordance with the applicable law in India including the rules and regulations issued by Government of India or Reserve Bank or the SEBI or any other competent authority;
- (b) the proprietary concern or firm or company accepting deposit does not utilise the funds representing the deposit for undertaking agricultural/plantation activities or real estate business or for lending or for investing in any other concern, firm or company engaged in or proposing to engage in agricultural/plantation activities, real estate business or for relending.

Explanation:

For the purpose of this Notification -

- I. A person (not being a citizen of Pakistan or Bangladesh or Sri Lanka) shall be deemed to be of "Indian Origin", if -
- i) he, at any time, held Indian passport;
or
- ii) he or either of his parents or any of his grandparents was a citizen of India by virtue of the Constitution of India or the Citizenship Act, 1955 (57 of 1955);
or
- iii) that person is the spouse of an Indian citizen or of a person of Indian origin (not being a citizen of Pakistan or Bangladesh or Sri Lanka).
- II. "Overseas Corporate Body" means any overseas company, partnership firm, society and other corporate body predominantly owned directly or indirectly to the extent of at least sixty percent by NRIs and includes overseas trust in which not less than sixty percent beneficial interest is held by NRIs, directly/indirectly but irrevocably.

[No. 10/74/98-NRI]

KHIZER AHMED, Executive Director

अधिसूचना सं. फेरा 1977/99 आरबी
मुम्बई, 30 मार्च, 1999

**हवाई टैक्सी परिचालन करनेवाली कंपनी द्वारा
प्रत्यावर्तन आधार पर अनिवासी भारतीयों/विदेशी
कंपनी निकायों को शेयर जारी करने के लिए अनुमति**

सा.का.नि. 356(अ).— विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम, 1973 (1973 का 46) की धारा 29 की उपधारा (1) के उपबंध (बी) के साथ पठित धारा 19 की उप-धारा (1) के उपबंध (ए) और उपबंध (डी) के अनुसरण में भारतीय रिजर्व बैंक भारत में निगमित कंपनी, जिसके पास वैध हवाई टैक्सी परिचालन परमिट है, जिसे समय समय पर भारत सरकार द्वारा विनिर्दिष्ट सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी किया गया है, द्वारा भारतीय राष्ट्रियता के अनिवासियों अथवा विदेशी कंपनी निकायों को शेयर अथवा उसके प्रदत्त पूँजी की 100 प्रतिशत की सीमा तक परिवर्तनीय डिबेंचरों को जारी करने और ऐसे शेयरों को भारत के बाहर उनके निवास स्थान अथवा स्थान पर भेजने की, जैसा कोई मामला हो, पैरा 2 में उल्लिखित शर्तों के अधीन सहर्ष अनुमति प्रदान करता है.

2. शेयरों और अथवा परिवर्तनीय डिबेंचरों को जारी करने के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन सामान्य अनुमति प्रदान की गई है.

- i) कंपनी को भारत में हवाई टैक्सी चलाने के लिए सक्षम प्राधिकारी द्वारा प्रदान की गई परमिट की शर्तों का और समय समय पर जारी किये गये किन्हीं निदेशों/अनुदेशों का अनुपालन करना होगा .
- ii) वर्तमान सूचीबद्ध कंपनी द्वारा जारी किये गये शेयरों के मामले में निर्गम के लिए मूल्य सेबी के दिशानिदेशों के अनुसार परिकलित है और कंपनी के सांविधिक लेखा परिक्षकों द्वारा विधिवत प्रमाणित है और किसी अन्य कंपनी के मामले में शेयरों के उचित मूल्य का परिकलन (भूतपूर्व सीसीआई के दिशानिदेशों के अनुसार) एक स्वतंत्र सनदी लेखाकार द्वारा किया गया है.
- iii) अनिवासी भारतीयों/विदेशी कंपनी निकायों को जारी किये गये शेयरों के लिए भुगतान विदेश से सामान्य बैंकिंग चैनलों के जरिए प्रेषण द्वारा अथवा भारत में प्राधिकृत व्यापारी के पास रखे गये निवेशक के एनआरई/एफसीएनआर खाते में धारित निधियों के अंतरण द्वारा प्राप्त किया गया है.
- iv) किसी भी प्राधिकारी, सांविधिक अथवा अन्यथा से गतिविधि के आवश्यक अनुमोदन, जहाँ अपेक्षित है, कंपनी ने प्राप्त किया है.

- v) निवेदक कंपनी को रिज़र्व बैंक के क्षेत्रीय कार्यालय के पास निम्नलिखित को प्रेषण की प्राप्ति की तिथि से तीस दिनों के भीतर दाखिल करना होगा.
- क) अनिवासी निवेशक का नाम,
 - ख) अनिवासी निवेशक को निवासी अथवा निगमीकरण देश
 - ग) प्रेषण की प्राप्ति की तिथि और उसके समकक्ष रुपया
 - घ) भारत में प्राधिकृत व्यापारी का नाम और पता जिसके जरिए प्रेषण प्राप्त किया गया है
- vi) निवेशक कंपनी को रिज़र्व बैंक के क्षेत्रीय कार्यालय के पास निम्नलिखित को, शेयर/डिबेंचरों के जारी करने की तिथि से 30 दिनों के भीतर दाखिल करना होगा,
- क) विधिवत पूर्ण किये गये फार्म आइएसडी (आर) की एक प्रतिलिपि,
 - ख) मूल विदेश आवक प्रेषण प्रमाणपत्र (एफआआरसी)/विदेश से अथवा निधियों की प्राप्ति के समर्थ में एनआरई/एफसीएनआर से अनिवासी भारतीय/विदेशी कंपनी निकाय से बैंक प्रमाणपत्र, जैसा कोई मामला हो,
 - ग) निवेशक कंपनी का झापन और संस्था के अंतर्नियम
 - घ) सनदी लेखाकार से मूल प्रमाण पत्र जिसमें जारी किये गये शेयर, निर्गम की तिथि जारी किये गये शेयरों की संख्या और निर्गम मूल्य आदि की जानकारी दी गई है.
 - ङ) उक्त (ii) में उल्लिखित के अनुसार सांविधिक लेखा परिक्षक के प्रमाणपत्र अथवा सनदी लेखाकार के परिकल्पन की प्रमाणित प्रतिलिपि.
 - च) फार्म ओएसी/ओएसी 1 में यह दर्शाते हुए एक प्रमाणपत्र कि विदेशी कंपनी निकाय द्वारा निवेश के मामले में प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से कम से कम 60 प्रतिशत तक अनिवासी शेयरधारिता है.
 - छ) इस आशय का वचन पत्र कि निवेशक कंपनी कृषि/बागान गतिविधि, स्थावर संपदा कारोबार में अथवा निधि के रूप में लिप्त नहीं हैं और नहीं होगी.

स्पष्टीकरण

I. कोई भी व्यक्ति (पाकिस्तान अथवा बांग्लादेश अथवा श्रीलंका के नागरिक को छोड़कर) भारतीय मूल का समझा जायेगा, यदि

- i) वह किसी भी समय भारतीय पासपोर्ट धारक रहा है.
- ii) वह अथवा उसके माता-पिता में से कोई अन्य अथवा उसके दादा-दादी में से कोई एक भी भारतीय संविधान अथवा नागरिकता अधिनियम 1955 (1955 का 57) के तहत भारतीय नागरिक था, अथवा
- iii) वह व्यक्ति जो भारतीय नागरिक अथवा भारतीय मूल के व्यक्ति का पति-पत्नी है (पाकिस्तान अथवा बांग्लादेश अथवा श्रीलंका के नागरिक को छोड़कर)

II. "विदेशी कंपनी निकाय" का अर्थ है कि प्रत्यक्ष रूप से या अप्रत्यक्ष रूप से भारतीय संप्रतीयता अथवा मूल के अनिवासियों द्वारा कम से कम 60 प्रतिशत सीमा तक अधिस्वामीत्ववाली कोई भी विदेशी कंपनी, साझेदार फर्म, सासाईटी और अन्य कंपनी निकाय और इसमें कोई विदेशी न्यास भी शामिल हैं जिसमें प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष किंतु अटल रूप में कम से कम 60 प्रतिशत हिताधिकारी अनिवासी भारतीय हों.

[सं. 10/74/98-एन आर आई]
ग़िज़ार अहमद, कार्यपालक निदेशक

Notification No. F.E.R.A. 197/99-RB

Mumbai, the 30th March, 1999

**Permission for issue of shares to NRIs/OCBs on
repatriation basis by Air-Taxi Operating Company**

G.S.R. 356(E).— In pursuance of clause (a) and clause (d) of sub-section (1) of Section 19 read with clause (b) of sub-section (1) of Section 29 of the Foreign Exchange Regulation Act, 1973 (46 of 1973), the Reserve Bank is pleased to permit a company incorporated in India holding a valid Air Taxi Operator's Permit granted by the Competent Authority specified by the Government of India from time to time to issue shares or convertible debentures to the extent of 100% of its paid-up capital and subject to the conditions mentioned in paragraph 2, to non-residents of Indian nationality or origin (NRIs) or Overseas Corporate Bodies (OCBs) and to send such shares out of India to their place of residence or location, as the case may be.

2. The general permission granted herein to issue shares and or convertible debentures is subject to following conditions :

- (i) the company complies with the conditions of permit granted by the competent authority for carrying on Air-Taxi operations in India and any directions/instructions issued by it from time to time;
- (ii) in the case of issue of shares by an existing listed company, the price for the issue is worked out according to SEBI guidelines and is duly certified by the Company's statutory auditors; and in the case of any other company, calculation of fair value of shares (as per erstwhile CCI guidelines) is made by an independent Chartered Accountant;
- (iii) payment for the shares issued to NRIs/OCBs is received by remittance from abroad through normal banking channels or by transfer of funds held in the investor's NRE/FCNR Account maintained with an authorised dealer in India.
- (iv) approval, wherever necessary, from any authority, statutory or otherwise, is obtained by the company.
- (v) the issuer company files with the Regional Office of Reserve Bank, not later than thirty days from the date of receipt of remittance, a report containing the following -
 - (a) Name of the non-resident investor;

- (b) Country of residence or incorporation of the non-resident investor;
 - (c) Date of receipt of remittance and its rupee equivalent;
 - (d) Name and address of the authorised dealer in India through whom the remittance is received.
- (vi) The issuer company files with Regional Office of Reserve Bank, not later than thirty days from the date of issue of shares/debentures, the following -
- (a) One copy of Form ISD(R) duly completed .
 - (b) Original Foreign Inward Remittance Certificate (FIRC) /Bank Certificate evidencing receipt of funds, from abroad or from the NRE/FCNR account, as the case may be, of the NRI/OCB.
 - (c) Memorandum and Articles of Association of the issuer company.
 - (d) Original certificate from the Chartered Accountant containing particulars of shares issued, date of issue, number of shares issued and the issue price.
 - (e) Certified copy of Statutory Auditor's Certificate or the Chartered Accountant's calculation referred to in (ii) above.
 - (f) Certificate in Form OAC/OAC1 indicating that NRI shareholding of atleast 60% either directly or indirectly in case of investment by OCB.
 - (g) Such other particulars and documents as may be required by or specified by Reserve Bank from time to time.
 - (h) An undertaking that the issuer company is not and shall not be engaged in agricultural/plantation activity, real estate business or as a Nidhi company.

Explanation :

- I. A person (not being a citizen of Pakistan or Bangladesh or Sri Lanka) shall be deemed to be of 'Indian Origin', if -
- i) he, at any time, held Indian passport;
 - or
 - ii) he or either of his parents or any of his grandparents was a citizen of India by virtue of the Constitution of India or the Citizenship Act, 1955 (57 of 1955);
 - or
 - iii) that person is the spouse of an Indian citizen or of a person of Indian origin (not being a citizen of Pakistan or Bangladesh or Sri Lanka).

- II. "Overseas Corporate Body" means any overseas company, partnership firm, society and other corporate body predominantly owned directly or indirectly to the extent of atleast sixty percent by NRIs and includes overseas trust in which not less than sixty percent beneficial interest is held by NRIs, directly/indirectly but irrevocably.

[No. 10/74/98-NRI]

KHIZER AHMED, Executive Director

अधिसूचना सं. फेरा 198/99 आरबी
मुम्बई, 30 मार्च, 1999

सा.का.नि. 357(अ).—विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम, 1973 (1973 का 46) की धारा 19 की उप-धारा (6) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए और समय समय पर यथासंशोधित 26 अप्रैल 1993 की अधिसूचना सं. फेरा 150/93 आर बी (इसके पश्चात 'उक्त अधिसूचना' के रूप में उल्लिखित) के आंशिक संशोधन में भारतीय रिज़र्व बैंक का यह अभिमत है कि ऐसा करना जनहित में आवश्यक और समीचीन है और एतद्वारा निदेश देता है कि उक्त अधिसूचना में निम्नानुसार संशोधन किये जाएं.

उक्त अधिसूचना में

- क) परंतुक में उपबंध (ii) के बाद, निम्नलिखित उपबंध जोड़ा जाए, यथा
- ॥क) "अधिनियम की धारा 19 की उप-धारा (1) के उपबंध (डी) के अंतर्गत रिज़र्व बैंक द्वारा दी गई अनुमति की शर्तों के अनुसार अंतरणकर्ता ने भारत में पंजीकृत कंपनी से ऐसे शेयर, बाण्ड अथवा डिबेंचर खरीदे थे."
- ख) स्पष्टीकरण में पैरा 1 में "पाकिस्तान अथवा बांग्लादेश" जहाँ जहाँ पाये जायेंगे वहाँ इन शब्दों के बाद "अथवा श्रीलंका" शब्दों को जोड़ा जाए.

[सं. 10/74/98-एन आर आई]
खिज़र अहमद, कार्यपालक निदेशक

Notification No. F.E.R.A. 198/99-RB

Mumbai, the 30th March, 1999

G.S.R. 357(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (6) of section 19 of the Foreign Exchange Regulation Act, 1973 (46 of 1973) and in partial modification of its Notification No.FERA.150/93-RB dated 26th April 1993 amended from time to time (hereinafter referred to as "the said Notification"), the Reserve Bank, being of the opinion that it is necessary an expedient in the public interest so to do, hereby directs that the said Notification shall be amended in the following manner, namely -

In the said Notification,

(a) in the proviso, after clause (ii), the following clause shall be added, namely;

“(iii) the transferor had purchased such share, bond or debenture from a company registered in India, in accordance with the terms and conditions of the permission granted under clause (d) of sub-section (1) of Section 19 of the Act, by the Reserve Bank.”

(b) In the Explanation, in paragraph I, after the words “Pakistan or Bangladesh” wherever they occur, the words “or Sri Lanka” shall be added.

[No. 10/74/98-NRI]

KHIZER AHMED, Executive Director

अधिसूचना सं. फेरा 199/99 आरबी
मुम्बई, 30 मार्च, 1999

सा.का.नि. 358(अ).—विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम, 1973 (1973का 46) की धारा 19 की उप-धारा (6) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और समय समय पर यथा संशोधित 28 अप्रैल 1993 की अधिसूचना सं. फेरा 151/93 आर बी (इसके पश्चात “उक्त अधिसूचना” के रूप में उल्लिखित) के आशिक संशोधन में भारतीय रिजर्व बैंक का यह अभिमत है कि ऐसा करना जनहित में आवश्यक और समीचीन है और एतद द्वारा निदेश देता है कि “उक्त अधिसूचना” में निम्नानुसार संशोधन किये जाएं.

उक्त अधिसूचना में

- (i) पैरा के शुरुवात में, भारतीय मूल व्यक्ति और भारत में निवासी शब्दों के बाद “अथवा धर्मादाय न्यास” शब्द जोड़े जाए
- (ii) परंतुक में उपबंध (ii) के बाद निम्नलिखित उपबंध जोड़ा जाए, यथा
- (iii) “धर्मादाय न्यास के हित में अंतरण के मामले में किसी अन्य मानूनी प्रावधानों का यथा प्रयोज्य, विधिवत अनुपालन किया गया है”
- (iv) स्पष्टीकरण में (क) पैरा 1 में “पाकिस्तान अथवा बांग्ला देश” शब्द जहाँ जहाँ पाये गये हैं वहाँ वहाँउन शब्दों के बाद “अथवा श्रीलंका” शब्दों को जोड़ा जाए, (ख) पैरा 1 के बाद निम्नलिखित पैरा जोड़ा जाए, यथा

II “धर्मादाय न्यास” का अर्थ है कि धर्मादाय प्रयोजन हेतु निर्मित न्यास अथवा स्थापित संस्था और भारत के कानून के अंतर्गत विधिवत पंजीकृत है.

[सं. 10/74/98-एन आर आई]
खिजर अहमद, कार्यपालक निदेशक

Notification No. F.E.R.A. 199/99-RB

Mumbai, the 30th March, 1999

G.S.R. 358(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (6) of section 19 of Foreign Exchange Regulation Act (46 of 1973) and in partial modification of its Notification No.FERA/151/93-RB dated 26th April 1993 (hereinafter referred to as the “said Notification”), the Reserve Bank, being of the opinion that it is necessary and expedient in the public interest so to do, hereby directs that the said Notification shall be amended in the following manner, namely:-

In the said Notification -

- (i) in the opening paragraph, after the words “a person of Indian origin and resident in India” the words “or to a charitable trust” shall be added;
- (ii) in the proviso, after clause (ii), the following clause shall be added, namely;
 - “(iii) in the case of a transfer in favour of a charitable trust, provisions of any other law, as applicable, are duly complied with;”
- (iii) in the Explanation, (a) in paragraph I, after the words “Pakistan or Bangladesh”, wherever they occur, the words “or Sri Lanka” shall be added; (b) after paragraph I, the following paragraph may be added namely;
 - “II. “Charitable trust” means a trust created or an institution established for charitable purposes and duly registered under the laws in India.”

[No. 10/74/98-NRI]

KHIZER AHMED, Executive Director

अधिसूचना सं. फेरा 200/99 आरबी
मुम्बई, 30 मार्च, 1999

सा.का.नि. 359(अ).—विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम 1973 (1973 का 46) की धारा 9 की उप-धारा (1) के अनुसरण में और दिनांक 27 फरवरी 1997 की अधिसूचना सं. फेरा 175/97-आरबी के अधिक्रमण में, रिजर्व बैंक एतद द्वारा भारत के व्यक्तिगत निवासी अथवा भारत में स्वामित्ववाली प्रतिष्ठान अथवा फर्म को भारतीय राष्ट्रिक अथवा मूल (अनिवासी भारतीय) के अनिवासियोंसे अप्रत्यावर्तन आधार पर रुपया ऋण प्राप्त करने हेतु अनुमति प्रदान करना है :

बेशर्त कि -

(क) ऋण के रूप में प्राप्त राशि सामान्य बैंकिंग चैनलों के जरिए अथवा भारत में प्राधिकृत व्यापारी के साथ रखे गये अनिवासी ऋणदाता के एनआरई/एफसीएनआर/एनआरओ/एनआरएसआर खाते में नामे डालकर प्राप्त की गई है.

- (ख) ऋण की परिपक्वता अवधि 3 वर्षों से अधिक नहीं है ,
- (ग) ऋण पर ब्याज का दर ऋण प्रदान करने की तारीख से प्रचलित बैंक दर से 2 प्रतिशत से अधिक नहीं होना चाहिए ,
- (घ) ऋण की राशि को भारत के बाहर प्रत्यावर्तित करने की अनुमति नहीं देनी चाहिए ,
- (च) यदि ऋण की राशि , सामान्य बैंकिंग चैनलों के जरिए आवक प्रेषण द्वारा अथवा ऋणदाता के एनआरई/एफसीएनआर/एनआरओ खाते से नामे डालकर प्राप्त की गई है तो ब्याज का भुगतान और ऋण की चुकौती ऋणदाता के भारत में प्राधिकृत व्यापारी के पास रखे गये एनआरओ/ एनआरएसआर खाते में जमा करते हुए किया जाये. यदि ऋण की राशि ऋणदाता के एनआरएसआर खाते में नामे डालकर प्राप्त है तो ब्याज का भुगतान और ऋण की चुकौती ऋणदाता के एनआरएसआर खाते में जमा करते हुए किया जाये.
- (छ) उधारकर्ता द्वारा कृषि/बागान गतिविधियों में, स्थावर संपदा , शेअर्स डिबेंचरों ब. ष. के खरीद के उद्देश से अथवा पुनः उधार देने के लिए ऋण राशि का उपभोग नहीं किया गया है.

स्पष्टीकरण

इस अधिसूचना के प्रयोजनार्थ कोई भी व्यक्ति (पाकिस्तान अथवा बांग्लादेश अथवा श्रीलंका के नागरिक को छोड़कर) भारतीय मूल का समझा जायेगा, यदि

- i) वह किसी भी समय भारतीय पासपोर्ट धारक रहा है
अथवा
- ii) वह अथवा उसके माता-पिता में से कोई अन्य अथवा उसके दादा-दादी में से कोई एक भी भारतीय संविधान अथवा नागरिकता अधिनियम, 1955 (1955 का 57) तहत भारतीय नागरिक था .
अथवा
- iii) वह व्यक्ति भारतीय नागरिक अथवा भारतीय मूल के व्यक्ति के पति-पत्नी है (पाकिस्तान अथवा बांग्ला देश अथवा श्रीलंका के नागरिक को छोड़कर).

[सं. 10/74/98-एन आर आई]
खिज़र अहमद, कार्यपालक निदेशक

Notification No. F.E.R.A. 200/99-RB

Mumbai, the 30th March, 1999

G.S.R. 359(E).—In pursuance of sub-section (1) of Section 9 of the Foreign Exchange Regulation Act, 1973 (46 of 1973) and in supercession of its Notification No.FERA.175/97-RB dated 27th February 1997, the Reserve Bank hereby permits an individual resident in India or a proprietorship concern or a firm in India to receive rupee loans on non-repatriation basis from Non-residents of Indian nationality or origin (NRIs) -

Provided that -

- (a) the amount representing the loan is received through normal banking channels or by debit to the non-resident lender's NRE/FCNR/NRO/NRSR account with an authorised dealer in India;
- (b) the maturity period of the loan does not exceed 3 years;
- (c) rate of interest on loan does not exceed 2% over the Bank Rate prevailing on the date of granting the loan;
- (c) the amount of loan shall not be allowed to be repatriated out of India;
- (d) if the amount of loan is received by inward remittance through normal banking channels or by debit to the lender's NRE/FCNR/NRO accounts, the payment of interest and repayment of loan may be made by credit to the lender's NRO/NRSR account maintained with an authorised dealer in India. If the amount of loan is received by debit to the lender's NRSR account, payment of interest and repayment of loan shall be made by credit to NRSR account of the lender;
- (e) the amount of loan is not utilised by the borrower for the purpose of carrying on agricultural/plantation activities, purchase of immovable property, shares, debentures, bonds or for relending.

Explanation:

For the purpose of this Notification a person (not being a citizen of Pakistan or Bangladesh or Sri Lanka) shall be deemed to be of 'Indian Origin', if -

- i) he, at any time, held Indian passport;
- or
- ii) he or either of his parents or any of his grandparents was a citizen of India by virtue of the Constitution of India or the Citizenship Act, 1955 (57 of 1955);
- or
- iii) that person is the spouse of an Indian citizen or of a person of Indian origin (not being a citizen of Pakistan or Bangladesh or Sri Lanka).

149/GI/99-E

[No. 10/74/98-NRI]

KHIZER AHMED, Executive Director

अधिसूचना सं. फेरा 201/99 आरबी
मुम्बई, 30 मार्च, 1999

सा.का.नि. 360(अ).—विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम 1973 (1973 का 46) की धारा 31 की उप-धारा (1) के अनुसरण में और दिनांक 26 मई 1993 की अधिसूचना सं. फेरा/152/93 आर बी में (इसके पश्चात *उक्त अधिसूचना* के रूप में उल्लिखित) के आंशिक संशोधन में रिजर्व बैंक एतद्वारा निदेश देता है कि उक्त अधिसूचना में निम्नानुसार संशोधन किये जाए.

(1) उक्त अधिसूचना में उपबंध 1 में उप उपबंध (बी) के बाद निम्नलिखित उपबंध जोड़ा जाये, यथा

“(बीए) उपहार मार्ग से निपटान के मामले में

- (I) रिश्तेदारों के बीच संपन्न अथवा
 - (ii) धर्मादाय न्यास के हित में संपन्न
 - (iii) किसी कानून के प्रावधानों का यथा प्रयोज्य विधिवत अनुपालन किया गया है.”
- (2) स्पष्टीकरण में, पैरा बी के बाद, निम्नलिखित पैरा जोड़ा जाए, यथा,

(सी) “धर्मादाय न्यास” का अर्थ है कि धर्मादाय प्रयोजन हेतु निर्मित न्यास अथवा स्थापित संस्था और भारतीय कानून के अंतर्गत विधिवत पंजीकृत है .

[सं. 10/74/98-एन आर आई]
खिज़र अहमद, कार्यपालक निदेशक

Notification No. F.E.R.A. 201/99-RB

Mumbai, the 30th March, 1999

G.S.R. 360(E).—In pursuance of sub-section (1) of Section 31 of the Foreign Exchange Regulation Act, 1973 (46 of 1973) and in partial modification of its Notification No.FERA/152/93-RB dated 26th May 1993 (hereinafter referred to as the “said Notification”), the Reserve Bank hereby directs that the said Notification shall be amended in the following manner, namely;

(1) In the said Notification, in clause 1, after sub-clause (b), the following sub-clause shall be inserted, namely;

“(ba) In the case of disposal by way of gift -

- (i) it is effected between relatives; or

(ii) it is effected in favour of a charitable trust;

(iii) provisions of any other law, as applicable, are duly complied with."

(2) In the Explanation, after paragraph B, the following paragraph shall be added, namely;

"C. "Charitable Trust" means a trust created or an institution established for charitable purposes and duly registered under the laws in India."

[No. 10/74/98-NRI]

KIIZER AHMED, Executive Director

अधिसूचना सं. फेरा 202/99 आरबी
मुम्बई, 15 अप्रैल, 1999

विदेशी हवाई कंपनियों की स्थानीय एजेंटों के द्वारा वाणिज्यिक गतिविधियाँ

सा.का.नि. 361(अ).— विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम, 1973 (1973 का 46) की धारा 29 की उपधारा (1) के खंड (ए) के अनुसरण में भारतीय रिजर्व बैंक उन हवाई कंपनियों को, जो भारत में निगमित नहीं हैं और भारत में जिनकी कोई शाखा, कार्यालय अथवा कारोबार का कोई अन्य स्थान नहीं है, भारत में अपने स्थानीय एजेंटों के जरिए एवं उक्त अधिनियम के अन्य प्रावधानों तथा उसके अंतर्गत बनाये गये किन्हीं नियमों, निदेशों अथवा आदेशों के अधीन, मालों यात्रियों के परिवहन तथा ऑन लाइन और ऑफ लाइन परिचालनों के लिए मालभाड़ा प्रभारों तथा किराये के संग्रहण जैसी सामान्य वाणिज्यिक गतिविधियों के लिए सहर्ष सामान्य अनुमति प्रदान करता है, बशर्ते कि

- i) ऑन लाइन परिचालनों के संबंध में नागर विमानन के महा निदेशक से अनुमति प्राप्त की गयी हो ;
- ii) ऑफ लाइन परिचालनों के संबंध में भारत सरकार और विदेशी हवाई कंपनी के निगमन देश की सरकार के बीच द्विपक्षीय हवाई सेवा करार हुआ हो !

[सं. 10/74/98-एन आर आई]
खिज़र अहमद, कार्यपालक निदेशक

Notification No. F.E.R.A. 202/99-RB

Noti:

Mumbai, the 15th April, 1999

Carrying on Activities in India by
Foreign Airline Companies through
Local Agents

G.S.R. 361(E).—In Pursuance of Clause (a) of Sub Section (1) of Section 29 of the Foreign Exchange Regulation Act, 1973 (46 of 1973), the Reserve Bank is pleased to grant general permission to

airline Companies which are not incorporated in India and which do not have a branch, office or other place of business in India, to carry on in India through their local agents subject to the other provisions of the said Act and of any rules, directions or orders made thereunder, their normal commercial activities like transportation of goods and passengers, and collection of freight charges and fares for online and offline operations.

Provided that -

(i) in respect of online operations, permission from the Director General of Civil Aviation has been obtained;

(ii) in case of offline operations, a bilateral air-service agreement exists between the Government of India and the Government of the country of incorporation of the foreign airline company.

[No. 10/74/98-NRI]

KHIZER AHMED, Executive Director